

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग :

देहरादून : दिनांक २९ अप्रैल, 2005

विषय:-वित्तीय वर्ष 2005-06 में वचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशि के आवंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के पत्र संख्या-527A/XXVII(I)/2005, दिनांक 26 अप्रैल, 2005 एवं युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल निदेशालय के पत्र संख्या-67/दो-1094/2005-06, दिनांक 27 अप्रैल, 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा कल्याण विभाग, उत्तरांचल के वित्तीय वर्ष 2005-06 के (माह अप्रैल को सम्मिलित करते हुए) आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि में ₹0 157.94 लाख (रुपये एक सौ सत्तावन लाख चौरानवे हजार मात्र) निम्न विवरणानुसार व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र०सं०	मानक मद	आयोजनेत्तर
1	01-वेतन	4070
2	02-मजदूरी	5000
3	03-महगाई भत्ता	1221
4	06-अन्य भत्ते	448
5	08-कार्यालय व्यय	400
6	09-विद्युत देय	200
7	10-जलकर/जलप्रभार	50
8	11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	250
9	13-टेलीफोन पर व्यय	200
10	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	300
11	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	20
12	17-किराया, उपशुल्क और कर स्वामित्व	200
13	42-अन्य व्यय	1000
14	44-प्रशिक्षण व्यय	300
15	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का व्यय	100
16	48-महगाई वेतन	2035
	योग	15794

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।

3- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिये स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204 खेलकूद तथा युवा सेवाएँ-001-निर्देशन तथा प्रशासन-00-04-के आयोजनेत्तर पक्ष के उपरोक्त मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- VI-I/2005, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, भा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 3- अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 6- ✓ एन०आई०सी०, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

